

खण्ड- 'क' (बहुविकल्पीय प्रश्न)

1×20=20

1. 'विनय पत्रिका' किस भाषा की कृति है :-
(क) ब्रज (ख) अवधी
(ग) मैथिली (घ) खड़ी बोली
2. 'शिवा बावनी' के रचयिता हैं :-
(क) भूषण (ख) रत्नाकर
(ग) तुलसीदास (घ) मैथिली शरण गुप्त
3. कवि पन्त को ज्ञानपीठ पुरस्कार मिला :-
(क) लोकायतन पर (ख) चिदम्बरा पर
(ग) वीणा पर (घ) इनमें से कोई नहीं
4. रीतिकालीन कवि हैं :-
(क) मीराबाई (ख) द्विजदेव
(ग) रसखान (घ) विद्यापति
5. भारतेन्दु युग की रचना है :-
(क) कामायनी (ख) प्रेम माधुरी
(ग) निरुपमा (घ) गुणवाणी
6. आधुनिक युग की मीरा है :-
(क) सुमित्राकुमारी चौहान (ख) महादेवी वर्मा
(ग) सुभद्राकुमारी चौहान (घ) इनमें से कोई नहीं
7. 'आनन्द कादम्बिनी' के सम्पादक थे :-
(क) बदरीनारायण चौधरी 'प्रेमधन' (ख) बालकृष्ण भट्ट
(ग) प्रताप नारायण मिश्र (घ) राधाचरण गोस्वामी
8. 'दीपदान' नामक रचना है :-
(क) एकांकी (ख) नाटक
(ग) भेंटवार्ता (घ) लघु कथा

(कृ० पृ० उ०)

9. निम्नलिखित में से कौन रामानन्द का शिष्य था :-
 (क) कबीर (ख) नानक
 (ग) मलूकदास (घ) रैदास
10. 'रामचरित मानस' के रचयिता है :-
 (क) तुलसीदास (ख) सूरदास
 (ग) रैदास (घ) कबीर
11. 'नायकः' का सन्धि विच्छेद होगा :-
 (क) नाय + कः (ख) न + अयकः
 (ग) नै + अकः (घ) ने + अकः
12. 'महर्षिः' का सन्धि विच्छेद होगा :-
 (क) महान् + ऋषिः (ख) म + ऋषिः
 (ग) महा + ऋषिः (घ) मह + ऋषिः
13. आत्मन् (आत्मा) शब्द रूप-पञ्चमी विभक्ति एकवचन होगा :-
 (क) आत्मा (ख) आत्मने
 (ग) आत्मनः (घ) आत्मना
14. 'तिष्ठामि' धातु रूप है :-
 (क) लट् लकार प्र० पु० एकवचन (ख) लट् लकार उ० पु० एकवचन
 (ग) लट् लकार म० पु० एकवचन (घ) इनमें से कोई नहीं
15. 'अनल + अनिल' शब्द युग्म का सही अर्थ है :-
 (क) वायु और अग्नि (ख) पानी और आग
 (ग) जल और हवा (घ) अग्नि और वायु
16. 'द्विज' का अर्थ है :-
 (क) पशु (ख) सिंह
 (ग) क्षत्रिय (घ) ब्राह्मण
17. 'सत्य आचरण करने वाला' वाक्य के लिए शब्द है :-
 (क) आचारी (ख) साक्षर
 (ग) सर्वज्ञ (घ) सदाचारी
18. 'प्रतिदिन' में समास है :-
 (क) तत्पुरुष (ख) कर्मधारय
 (ग) द्विगु (घ) अव्ययी भाव

19. 'जंगल' की आग :-
 (क) जठराग्नि (ख) बड़वाग्नि
 (ग) वनाली (घ) दावाग्नि
20. 'रति' स्थायी भाव है :-
 (क) हास्य रस (ख) भक्ति रस
 (ग) वात्सल्य रस (घ) शृंगार रस

खण्ड—'ख'

2×3=6

21. अन्धकार के विकट वैरी महाराज अंशुमाली अभी तक दिखायी भी नहीं दिये। तथापि उसके सारथि अरुण ही ने, उनके अवतीर्ण होने के पहले ही, थोड़े ही नहीं, समस्त तिमिर का समूल नाश कर दिया। बात यह है कि जो प्रतापी पुरुष अपने तेज से अपने शत्रुओं का पराभव करने की शक्ति रखते हैं, उनके अग्रगामी सेवक भी कम पराक्रमी नहीं होते। स्वामी को श्रम न देकर वे खुद ही उनके विपक्षियों को उच्छेद कर डालते हैं।
 (क) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ एवं लेखक के नाम लिखिए।
 (ख) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
 (ग) अंधकार का समूल नाश किसने कर दिया?
22. निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर प्रश्नों का उत्तर दीजिए :- 2×3=6
 कबीर यहु घर प्रेम का, खाला का घर नाहि।
 सीस उतारै हाथि करै, सौ पैठे घर माँहि।।
 जब मैं था तब हरि नहीं, अब हरि है मैं नाँहि।
 सब अँधियारा मिट गया, जब दीपक देख्या माँहि।।
 (क) उपर्युक्त पद्यांश के पाठ का नाम एवं लेखक का नाम लिखिए।
 (ख) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
 (ग) "सीस उतारै हाथि करै, सौ पैठे घर माँहि" पंक्ति का क्या आशय है?
23. निम्नलिखित लेखकों में से किसी एक लेखक का साहित्यिक परिचय देते हुए कृतियों पर प्रकाश डालिए :- 6
 (क) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र (ख) सरदार पूर्ण सिंह
 (ग) राहुल सांकृत्यायन
24. निम्नलिखित कवियों में से किसी एक कवि का जीवन परिचय देते हुए उनकी कृतियों पर प्रकाश डालिए :- 6

- (क) कबीर
(ग) महाकवि भूषण
25. सूत-पुत्र नाटक के आधार पर कर्ण का चरित्र-चित्रण कीजिए।
26. निम्नलिखित गद्यांश का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए :-
अयं पर्वतराजः भारतवर्षस्य उत्तरसीम्नि स्थितः तत् प्रहरीव शत्रु
रक्षति। हिमालयादेव समुद्रगम्य गङ्गा-सिन्धु-ब्रह्मपुत्राख्याः
शतद्रि-विपाशा-यमुना-सरयू-गण्डकी-नारायणी कौशिकी प्रभृतः
समस्तामपि उत्तरभारतभुवं स्वकीयैः तीर्थादकैः न केवलं पुनन्ति
शस्यश्यामलामपि कुर्वन्ति।
27. निम्नलिखित पद्यांश का ससन्दर्भ हिन्दी अनुवाद कीजिए :-
वासांसि जीर्णानि यथा विहाय
नवानि गृह्णाति नरोऽपराणि।
तथा शरीराणि विहाय जीर्णाः
न्यन्यानि संयाति नवानि देही।।
28. वीर अथवा शृंगार रस की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए।
29. श्लेष अथवा उपमा अलंकार की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए।
30. चौपाई अथवा सीरठा छन्द का लक्षण उदाहरण सहित लिखिए।
31. कुटीर उद्योग प्रारम्भ करने हेतु किसी बैंक के प्रबन्धक को ऋण
हेतु आवेदन-पत्र लिखिए।
32. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक पर अपनी भाषा-शैली
लिखिए :-
(क) बेरोजगारी की समस्या एवं समाधान
(ख) मेरा प्रिय कवि
(ग) मेरे सपनों का भारत
(घ) अनुशासन का महत्व
(ङ) स्वच्छ भारत स्वस्थ भारत